

50/4146

- पञ्जाबली नैम उरु । वलीम करीमके उपर
 उन्नीमान न मरु उरु पल धरु 128 L R 10 व
 बाबर सराजी खरनं 318/636, 318/635,
 318/663, 319/666, 318/850, 319/690)
 319/628, 321/676, गुरु धुयल वरुलीम
 नदीनी नी पलरुनी निरु गाने वरु मरु उरु
 निरु न निरु उन्नीमान न नरु वरु 4 न
 वरु कुरु गुरुमानन धरु उन्नीमान नी कुरु
 वरु कुरु नरु धरु नी निरुनीन कुरु
 नरु नरु धरु कुरु नरु उन्नीमान धरु
 धरु नरु धरु निरु अननीमान नरु अननीमान
 नरु धरु नरु धरु नरु धरु उन्नीमान न
 गुरुमानन नरु धरु कुरु वरु निरु धरु

म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व
अहकाम
हुक्म की
जारी हु

उक्त पत्र के तबदी के उक्त धोला है।
 रीमातान के कौन विवाद उन्नीमान व कौनमानक
 के मध्य उक्त नहीं धोला है। उक्त उक्त
 उन्नीमान तबदी व मरदीन धोले के स्पे मीन
 विवाद नहीं धोले के खारिज लिख जाता है।
 मरदीन के मध्य मुक्त लेख नोकर के मध्य धोले
 धारिक उक्त धोले मरदीन उक्त उक्त।

2/1/11
 उपखण्ड अधिकारी
 कपौली (राज.)